www.sgbauonline.com

4. (अ) स्पष्ट करा :—

(i) सांगीतिक ध्वनी.

(ii) अनुनाद.

(iii) प्रतिध्वनी.

(iv) तरंगमान.

किंवा

(ब) कंठसाधना शास्त्रीय संगीतासाठी महत्त्वपूर्ण बाब आहे, यावर आपली मते सविस्तर मांडा. 20

5. (अ) 'रस' या शब्दाची परिभाषा सांगून, रसाचे प्रकार स्पष्ट करा तसेच रसाचा संगीताशी असलेला संबंध विशद करा.

किंवा

(ब) राग आणि रसाचा परस्पर संबंध स्पष्ट करा. 20

AQ – 196

M. A. (Part – I) Examination

INDIAN MUSIC

Paper – II

(Study of Music Literature and Acoustics)

P. Pages : 6

Time : Three Hours] [Max. Marks : 100

Note : (1) Answer all questions.
(2) All questions carry equal marks.

1. (A) Write in brief the historical survey of Vedic period of Music and state the importance of Bharatmuni's Natyashastra and Sangit Ratnakar of Sharangdeo.

OR

(B) Explain Pt. Sharangdev and Pt. Ahobal's Shruti – Swara arrangement. 20

2. (A) Compare between the Indian and Western Swarasaptak and State the limits of utility of Western swarasaptak to Indian Music.

OR

(B) Write in staff Notation of Raga Alhaiya – Bilawal and Raga – Vrindavani Sarang's Aroha, Awaroha and Pakad. 20

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

3. (A) "Raga – Tana – Pallavi is the epitome of a musician's technical and creative abilities." — Justify.

OR

(B) Compare the North Indian and Karnatak taal system and write the forms of Dhruva, Jhamp and Triput. 20

4. (A) Explain :

(i) Musical Sound.

(ii) Resonance.

(iii) Echo.

(iv) Wave – length.

OR

(B) 'Voice culture is an important aspect for Classical Music' — State your opinion in detail. 20

5. (A) Define 'Ras' and also explain the kinds of Ras and its relation with Music.

OR

(B) State co–relation between 'Raga and Rasa'. 20

(मराठी माध्यम)

सूचना : (1) सर्व प्रश्न सोडवा.

(2) सर्व प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. (अ) वेदकालीन संगीताचा ऐतिहासिक आढावा थोडक्यात घेऊन, भरताचे नाट्यशास्त्र आणि शारंगदेवांच्या संगीत रत्नाकरचे महत्त्व स्पष्ट करा.

किंवा

(ब) पं. शारंगदेव आणि पं. अहोबलांच्या श्रुति स्वर व्यवस्था स्पष्ट करा. 20

2. (अ) भारतीय आणि पाश्चात्य स्वरसप्तकाचे तुलनात्मक विवेचन लिहून पाश्चात्य स्वरसप्तकाची भारतीय संगीतातील उपयुक्ततेची मर्यादा स्पष्ट करा.

किंवा

(ब) अल्हैया बिलावल आणि वृंदावनी सारंग रागाचे आरोह, अवरोह तसेच पकड स्टाफ नोटेशनमध्ये लिहा. 20

3. (अ) 'राग – तान – पल्लवी संगीतकारांच्या तांत्रिक आणि सृजनात्मक योग्यतांचे सार आहे.' – सिध्द करा.

किंवा

(ब) उत्तर भारतीय आणि कर्नाटक ताल पध्दतीची तुलना करून कर्नाटकीय ध्रुव, झंप आणि त्रिपुट तालांचे स्वरूप लिहा. 20

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(हिन्दी माध्यम)

सूचनाएँ : (1) सभी प्रश्न हल कीजिए।
(2) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. (क) वेदकालीन संगीत का संक्षेप में ऐतिहासिक परामर्श लेकर भरतमुनि के नाट्यशास्त्र तथा शारंगदेव के संगीत रत्नाकर का महत्व स्पष्ट कीजिए।

अथवा

(ख) पं. शारंगदेव तथा पं. अहोबल की श्रुति-स्वर व्यवस्था स्पष्ट कीजिए। 20

2. (क) भारतीय एवं पाश्चात्य स्वरसप्तक का तुलनात्मक विवेचन करते हुवे, पाश्चात्य स्वरसप्तक की भारतीय संगीत में उपयोगिता की सीमाएँ बतलाइए।

अथवा

(ख) राग अल्हैया बिलावल तथा राग वृंदावनी सारंग का आरोह, अवरोह तथा पकड़ स्टाफ नोटेशन में लिखिए। 20

3. (क) "राग - तान - पल्लवी संगीतवेत्ताओं की प्रविधिक और सृजनात्मक योग्यताओं का सार हैं।" - सिध्द कीजिए।

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

अथवा

(ख) उत्तर भारतीय एवं कर्नाटक ताल पध्दति की तुलना कीजिए तथा कर्नाटकीय ध्रुव, झंप एवं त्रिपुट तालों के स्वरूप लिखिए। 20

4. (क) स्पष्ट कीजिए :—

(i) सांगीतिक ध्वनि।

(ii) अनुनाद।

(iii) प्रतिध्वनि।

(iv) तरंगमान।

अथवा

(ख) 'कंठसाधना शास्त्रीय संगीत में महत्वपूर्ण क्रिया हैं' इस विषय पर अपना मंतव्य विस्तार से लिखिए। 20

5. (क) रस की परिभाषा बताते हुवे रस के प्रकार स्पष्ट कीजिए तथा रस का संगीत से संबंध विशद कीजिए।

अथवा

(ख) राग और रस का परस्पर संबंध स्पष्ट कीजिए। 20

www.sgbauonline.com